



आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
कटाई, सिलाई और स्वेटर एवं जुराब बुनाई
2022



एसएचजी/नाम	:	जय माँ नैना स्वयं सहायता समूह
वीएफडीएस नाम	:	चीरल
एफटीयू/रेंज	:	कांगू
डीएमयू/मंडल	:	सुकेत
एफसीसीयू / सर्कल	:	मंडी

द्वारा प्रायोजित पीआईएचपीफेम और एल	द्वारा तैयार:- डीएमयू सुकेत, एफटीयू कांगू और जय माँ नैना एसएचजी
---------------------------------------	--

विषयसूची

विवरण	पेज
परिचय	3
कार्यकारी सारांश	4
स्वयं सहायता समुह का विवरण	4-7
गांव का भौगोलिक विवरण	7
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	8
उत्पादन योजना का विवरण	8
विपणन /बिक्री का विवरण	8-9
अर्थशास्त्र का विवरण	9-10
वित् की आवश्यकता	11
निगरानी विधि	11
टिपणी	11
व्यवसाय योजना स्केच एवं जुराब बुनाई	12
कार्यकारी सारांश	12
खर्चों की जानकारी	12-13
उत्पादन की लागत	13
परियोजना की कुल लागत	14
अनुलग्नक	15-16

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिक भूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालय के ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और 14.58% आबादी के हिसाब से मंडी दूसरा जिला है।

यह जिला मध्य हिमाचल में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, मंडी जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू शिमला, बिलासपुर, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते हैं ये जिले मंडी जिले के पश्चिम और दक्षिण में क्रमशः उत्तर-उत्तर पूर्व, पूर्व में सीमाबद्ध हैं।

यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक हथकरघा और सेब की खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी व्यास और सतलुज नदी नदी मुख्य जीवन रेखा हैं।

बल्ह घाटी जिले की सबसे बड़ी घाटी है, हालांकि अन्य घाटियों जैसे करसोग और हटली घाटियों को भी खाद्यान्न उत्पादन के लिए जाना जाता है। जिसे देवताओं की घाटी के नाम से भी जाना जाता है। मंडी शहर व्यास नदी के तट पर स्थित है, जो बल्ह घाटी के उत्तरी भाग में है, बल्ह घाटी के लोग को कड़ी मेहनत के लिए जाने जाते हैं।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

चीरल वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, " जय माँ नैना " स्वयं सहायता समूह, कटाई, सिलाई और स्वेटर एवं जुराब बुनाई से संबंधित है। समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने कटाई, सिलाई और स्वेटर एवं जुराब बुनाई करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए तकनीकी सहयोग डॉ पंकज सूद, प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ कविता शर्मा और डीएस यादव, कृषि विज्ञान केन्द्र मंडी स्थित सुंदर नगर द्वारा प्रदान किए गए थे। दल जिसमें विजय कुमार, विषय विशेषज्ञ, कार्यालय वनमंडल सुकेत, सुनीता कुमारी फील्ड टेक्निकल यूनिट कोऑर्डिनेटर कांगू परिक्षेत्र, मनीष कुमार, वन रक्षक, सेरी कोठी बीट और नन्द लाल, वनखंड अधिकारी, वन खंड बटवारा शामिल रहे जिसमे वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि० प्र० व० से ० के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा।

कार्यकारी सारांश

चिरल वन ग्रामीण विकास समिति:-

चिरल ग्रामीण वन विकास समिति राजस्व मुहाल चिरल का हिस्सा है और वन विकास समिति चिरल का गठन ग्राम पंचायत सेरी कोठी मे किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में मंडी जिले के सुंदर नगर ब्लॉक में स्थित है और 31.4115386° उत्तर अक्षांश- 76.9931209° पूर्व देशांतर के बीच स्थित है। चिरल ग्रामीण वन विकास समिति सुकेत वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) में कंगू वन रेंज के अंतर्गत बटवाड़ा ब्लॉक के सेरी कोठी बीट के अंतर्गत आता है ।

परिवारों की संख्या	70
बीपीएल परिवार	25 =35.71%
कुल जनसंख्या	244
कुल मवेशी	850

स्वयं सहायता समूह का विवरण

अनौपचारिक जय माँ नैना स्वयं सहायता समूह का गठन दिसम्बर 2021 में चिरल वन ग्रामीण विकास समिति के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं। जय माँ नैना स्वयं सहायता समूह महिला समूह (तेरह महिलाएं) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतुष्टि के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। कटाई, सिलाई और बुनाई जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 13 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-

फोटो के साथ स्वयं सहायता समुह सदस्यों का विवरण



राज मंती (प्रधान)



लता देवी (उप प्रधान)



चेत्री देवी (कोषाध्यक्ष)



भुवनी देवी (सचिव)



भुवनेश्वरी देवी (सदस्य)



कुब्जा देवी (सदस्य)



निर्मला देवी (सदस्य)



चम्पा देवी (सदस्य)



उर्मिला देवी (सदस्य)



दीपा कुमारी (सदस्य)



तारा देवी (सदस्य)



आषा देवी (सदस्य)



बेगमु देवी (सदस्य)

फोटो के साथ एसएचजी सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	शाजामन्ती	प्रधान	Jen	38	B.A.	8580429441
2.	चैत्री देवी	कौषाध्यक्ष	Jen	41	5th.	9459133846
3.	भुवनी देवी	सचिव	Jen	36	10+2	9015223424
4.	लता देवी	उप-प्रधान	Jen	31	10th.	7876927815
5.	भुवनेश्वरी देवी	सदस्य	Jen	38	10+2	7876408584
6.	तारा देवी	सदस्य	Jen	30	10th.	7876646379
7.	चम्पा देवी	सदस्य	Jen	29	8th.	8988071303
8.	सुमिला देवी	सदस्य	Jen	45	5th.	9418935635
9.	वैराग्य देवी	सदस्य	Jen		1	9418235635
10.	आशा देवी	सदस्य	OBC	34	5th.	7876304798
11.	निर्मला देवी	सदस्य	Jen	31	5th.	8988155782
12.	दीपा कुमारी	सहायक	Jen	31	10+2	8580617011
13.	कुब्जा देवी	सदस्य	OBC	30	10th.	8988419160
14.						
15.						
16.						
17.						
18.						
19.						
20.						

जय माँ नैना स्वयं सहायता समूह चीरल

एसएचजी का नाम	::	जय माँ नैना
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	चीरल
परिक्षेत्र	::	कांगू
वन मण्डल	::	सुकेत
गांव	::	चीरल
खंड	::	सुंदर नगर
ज़िला	::	मंडी
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	13
गठन की तिथि	::	दिसम्बर 2021
बैंक का नाम और विवरण	::	HP Gramin Bank Nihri
बैंक खाता संख्या	::	87431300000378
एसएचजी/मासिक बचत	::	रु.1300/-माह
कुल बचत	::	15708/- (नवम्बर 2022 तक)
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	-
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	66 किमी
मेन रोड से दूर	:	20 किमी लगभग
स्थानीय बाजार और दूर का नाम	:	सुंदर नगर 42 किमी, मंडी 66 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम और दूर	:	सुंदर नगर 42 किमी मंडी 66 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	:	सुंदरनगर, मंडी
बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की स्थिति	:	पिछली कड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र) और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	सिले सूट
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि समूह का पूरा सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतृप्ति बिंदु तक पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि कटाई, सिलाई और बुनाई से उनकी आय में वृद्धि होगी।
एसएचजी/सीआईजी/ समूह की सहमति	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन योजना का विवरण

समय लगता है	::	1 सूट को पूरा होने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी महिलाएं।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार/ स्थानीय लोग
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
प्रति दिन अपेक्षित सिले सूट	::	शुरुआत में 5 सूट

विपणन /बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान / स्थान	::	अन्तर्निहित गांव – चीरल आस-पास के संस्थान - स्कूल, कॉलेज आदि
	::	
सिलाई कार्य की मांग	::	पूरे साल और उत्सव और शादी के अवसरों के समय उच्च मांग।
बाजार के पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण:

पूंजी लागत			
विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (₹.)
सिलाई मशीन	07	8000	56000
इंटरलॉक मशीन	1	6000	6000
दर्जी कैंची	13	400	5200
सिलाई रूलर (फीता) सेट	13	600	7800
सिलाई दर्जी Tap	13	100	1300
आयरन प्रेस	2	500	1000
अलमारी	3-4	लगभग	5000
कांटा	2 सेट	400	800
कुर्सियों, मेज आदि	लगभग	लगभग	5000
कुल पूंजीगत लागत (ए) =			88100

बी।	आवर्ती लागत				
अनु क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (₹.)
1	सिलाई के धागे	रीलों/सूट/माह	180	10	1800
2	अन्य परिष्करण सामग्री (बुकरम, कॉलर आदि)	सूट/माह	लगभग	लगभग	4000
3	किराया	महीना			1000
4	अन्य (स्थिर, बिजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000
कुल आवर्ती लागत (बी)					7800

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत	7800
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	734
कुल	8534

सिले हुए सूट की कीमत (प्रति सूट)				
विवरण	इकाई	मात्रा	राशि (रु.)	
साधारण सूट	1	1	250-300	
अन्य (प्लाज़ो, अस्तर आदि)	1	1	300-350	

आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

विवरण	राशि (रु.)
पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	734
कुल आवर्ती लागत	7800
प्रति माह कुल सिले सूट	150 (लगभग मात्रा)
सिले हुए सूट का विक्रय मूल्य (प्रति सूट)	250
आय सृजन (150*250)	37,500
शुद्ध लाभ (37,500 - 8534)	28,966
शुद्ध लाभ का वितरण	<ul style="list-style-type: none"> लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित्त की आवश्यकता:

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
कुल पूंजी लागत	88100	66,075	22,025
कुल आवर्ती लागत	7800	0	7800
प्रशिक्षण	50000	50000	0
कुल	145900	116075	29825

ध्यान दें-

- पूंजीगत लागत - परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूंजीगत लागत का 75%
- आवर्ती लागत - एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित्त स्रोत:

परियोजना का समर्थन:	<ul style="list-style-type: none">पूंजीगत लागत का 75% मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा।SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे।प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	<ul style="list-style-type: none"><input type="checkbox"/> पूंजीगत लागत का 25% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा।<input type="checkbox"/> स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ऋण चुकौती अनुसूची- यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

टिपणी:

समूह की आगामी आय को ध्यान में रखते हुए समूह द्वारा दूसरी प्रस्तावित गतिविधि स्वेटर एवं जुराब बुनाई है क्योंकि यह निर्णय सिद्धान्तिक रूप में समीक्षा मिशन के समय लिया गया, है कि एक व्यवसाय योजना में एक से अधिक गतिविधि सम्मिलित की जानी चाहिए, अतः दूसरी प्रस्तावित गतिविधि नीचे संलग्न है।

व्यवसाय योजना
स्वैटर एवं जुराब बुनाई
द्वारा
जय माँ नैना स्वयं सहायता समूह

कार्यकारी सारांश

स्वैटर एवं जुराबें उत्पादन एक तरीका है जिससे लोगों को आर्थिक लाभ होगा व ग्रामीण स्वैटर और जुराबें उत्पादन कम खर्च पर करके अपनी आजीविका बढ़ा सकते हैं। इसके माध्यम से गरीब परिवार अपनी आय में पर्याप्त बढ़ौतरी कर सकते हैं। लेकिन इस गतिविधि को ग्रामीण क्षेत्रों में चलाने में समस्या यह है कि गांव में स्वैटर व जुराबें उत्पादन पारम्परिक तरीके से हो रहा है। जिससे उत्पादन काफी कम हो रहा है। इस समस्या को दूर करने के लिए तथा कम कीमत पर अच्छी किस्म का उत्पादन करने के लिए उन्नत किस्म की बुनाई मशीनें नई वैज्ञानिक तकनीक से तैयार की हैं। जिनसे गांव के लोग अच्छी किस्म के उत्पाद कम समय में तैयार कर सकते हैं और आय अर्जित कर सकते हैं।

खर्चों की जानकारी : -

पूंजी लागत			
विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (र.)
बुनाई मशीन	02	8000	16,000
धागा रोलर	01	6000	6,000
बुनाई मशीन (कार्ड वाली)	01	50000	50,000
छोटी कैंची	05	150	750
तोल मशीन	1	2000	2,000
भंडारण बॉक्स	01	5000	5000
कुल पूंजीगत लागत =			79750

आवर्ती लागत				
विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (र.)
ऊनी धागा (ओसवाल)	किग्रा/माह	78	700	54600
2 प्लाई ऊन	किग्रा/माह	24	400	9600
अन्य (कागज़, बिजली, पानी का बिल, मशीन की मरम्मत)	महीना	1	1000	1000
आवर्ती लागत				65200

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत	65200
पूँजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	700
कुल	65900

उत्पादन की लागत (प्रति माह)

एक सदस्य द्वारा एक माह में औसत उत्पादन स्वेटर = 8 न०

(यदि प्रतिदिन 3-4 घण्टे कार्य किया जाए)

समूह का औसत उत्पादन प्रतिमाह स्वेटर = 130 न०

एक सदस्य द्वारा एक माह में औसत उत्पादन जुराबें = 15 न० जोड़ी

(यदि प्रतिदिन 3-4 घण्टे कार्य किया जाए)

समूह का औसत उत्पादन प्रतिमाह = 240 न० जोड़ी

130 न० स्वेटर के लिए ऊन की आवश्यकता = 78 कि०ग्राम

ऊन का औसतन बाजार मूल्य = 54600 /-रुपये

240 जोड़ी जुराबों के लिए ऊन के धागे की आवश्यकता = 24 कि० ग्रा०

जुराब के धागे का बाजार मूल्य = 9600 /- रुपये

आय प्रतिमाह

एक माह में समूह का औसत उत्पादन (स्वेटर) = 130 न०

एक स्वेटर का औसत बाजार मूल्य = 800 /- रू०

समूह की औसत आय = 104000रू०

एक माह में समूह का औसत उत्पादन (जुराबें) = 240 न० जोड़ी

एक जोड़ी जुराब का औसत बाजार मूल्य = 150 /- रू०

समूह की औसत आय = 36000रू०

लाभ प्रति माह

समूह का लाभ प्रति माह = औसत आय - औसत लागत
= (104000+36000) - (54600+9600)
= 75800रुपये

लाभ प्रति माह प्रति व्यक्ति = 5830 /- रुपये

इसमें समूह के सदस्यों की मजदूरी भी सम्मिलित है

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = 88100/-

आवर्ती लागत = 7800/-

कटाई, सिलाई के लिए कुल =95900/-

स्वेटर एवं जुराब बुनाई परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 79750/-

आवर्ती लागत = 65200/-

स्वेटर एवं जुराब बुनाई परियोजना के लिए कुल = 144950/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 240850/-

क्रम संख्या	व्यवसाय योजना	पूंजीगत लागत	आवर्ती लागत	परियोजना का हिस्सा	लाभार्थी अंशदान	कुल लागत
1.	कटाई, सिलाई	88100	7800	66075	29825	95900
2.	स्वेटर एवं जुराब बुनाई	79750	65200	59812	85138	144950
	कुल	167850	73000	125887	114963	240850

अनुलग्नक

Newina SHC
VEDS Club

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए, जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (कटाई, सिलाई, स्वेटर एवं जुराब बुनाई) द्वारा चुना गया। सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	राधा मन्ती	प्रधान	जन्य	38	R. Mandi
2.	चैत्री देवी	कौषाध्यक्ष	जन्य	41	चैत्री देवी
3.	भुक्ती देवी	सचिव	जन्य	36	Bhukhti Devi
4.	लता देवी	उप-प्रधान	जन्य	31	Lata Devi
5.	भुवनेश्वरी देवी	सदस्य	जन्य	38	Bhuneshwari Devi
6.	तारा देवी	सदस्य	जन्य	30	Tara Devi
7.	चम्पा देवी	सदस्य	जन्य	29	चम्पा देवी
8.	उर्मिला देवी	सदस्य	जन्य	45	उर्मिला देवी
9.	बैगमू देवी	सदस्य	जन्य		बैगमू देवी
10.	आशा देवी	सदस्य	OBC	34	आशा देवी
11.	निर्मला देवी	सदस्य	जन्य	31	निर्मला देवी
12.	दीपा कुमारी	सलाहकार	जन्य	31	Deepa Kumari
13.	कुब्जा देवी	सदस्य	OBC	30	Kubja Devi
14.					
15.					
16.					
17.					
18.					
19.					
20.					

हस्ताक्षर Bhubani Dewi
सचिव स्वयं सहायता समूह

Chothaly

हस्ताक्षर
सचिव, वन ग्रामीण विकास
समिति

Javish Kumar

हस्ताक्षर
वन रक्षक

[Signature]

हस्ताक्षर
वन परिक्षेत्र अधिकारी
सुकेत वन परिक्षेत्र

हस्ताक्षर *R. Mondal*
प्रधान स्वयं सहायता समूह
जय नैना मां S.H.G.
वाई विलाय मां वनपाल रोटी कोठी
100 मिटर, डि० मण्डी (रि००००)

Ram Lal

हस्ताक्षर
ग्रामीण वन विकास समिति
चिरल रोटी कोठी, तह० तिहरी
जिला मण्डी (रि००००)-175038
प्रधान, वन ग्रामीण विकास
समिति

[Signature]

हस्ताक्षर
वन खण्ड अधिकारी

[Signature]
डीएमए द्वारा स्वीकृत
Divisional Forest Officer
Suket Forest Division
Sunder Nagar (H.P.)